Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AFMA–101

M.A. (Final) Examination, 2023

HINDI

Paper - I

(गद्य साहित्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सीमा **50** शब्द।

   (i) श्रद्धा और भक्ति में क्या अन्तर है ?

   (ii) '''वापसी' कहानी में गजाधर बाबू के चरित्र के माध्यम से वृद्धों की पीड़ा को व्यक्त किया है।'' कथन की समीक्षा कीजिए।

(iii) 'कफन' कहानी का मूल सन्देश क्या है ?

(iv) गदल के चरित्र की **दो** विशेषताएँ बताइए।

(v) 'शेखर एक जीवनी' के **दो** भाग प्रथमत: कब-कब प्रकाशित हुए ?

(vi) 'अशोक के फूल' की निबन्ध शैली की दो विशेषताएँ बताइए।

(vii) 'लहरों के राजहंस' की कथा किस ग्रंथ से प्रेरित है ?

(viii) लहरों के राजहंस का केन्द्रीय पात्र कौन है ?

(ix) रेखाचित्र के **चार** तत्त्वों को बताइए।

(x) अतीत के चलचित्र में कितने रेखाचित्र हैं ? **दो** रेखाचित्रों का नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड–ब

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। सीमा **200** शब्द।

2. ''हर बीतता हुआ क्षण मेरे प्रयत्न का उपहास उड़ाता था, फिर भी मैं अपने अन्दर के विरोध से लड़ती रही, मन के विद्रोह को किसी तरह समझाती रही। परन्तु एक क्षण आया जब वह प्रयत्न मन से हार गया।''

3. ''यौवन के ज्वार में समुद्र-शोषण। सूर्योदय पर रजनी के उलझे हुए और घनी छायाओं से भरे कुन्तल। शारदीय नभ की घटा पर, एक भीमकाय कालाा बरसाती बादल। इस विरोध में, इस अचानक खण्डन में निहित अपूर्व भैरव कविता ही में इसकी सिद्धि है।''

4. ''हम सब खिलौने रखकर शून्य दृष्टि से बाहर देखते रह जाते थे। नन्हें बाबू सात समुद्र पार पहुँचना चाहता था, पर उड़ने वाला घोड़ा न मिलने से यात्रा स्थगित हो जाती थी, मुन्नी अपनी रेल पर संसार भ्रमण करने को विकल थी; पर हरी लाल झण्डी दिखाने वाले के बिना उसका चलना ठहरना सम्भव नहीं हो सकता था, मुझे गुड़िया का विवाह करना था, पर पुरोहित और प्रबन्धक के बिना शुभ लग्न टलती चली जाती थी।''

5. "जीवन की किसी अलभ्य अभिलाषा से वंचित होकर जैसे प्राय: लोग विरक्त हो जाते हैं, ठीक उसी तरह किसी मानसिक चोट से घायल होकर एक प्रतिष्ठित जमींदार का पुत्र होने पर भी नन्हकू सिंह गुण्डा हो गया था। दोनों हाथों से उसने अपनी सम्पत्ति लुटायी। नन्हकू सिंह ने बहुत सा रुपया खर्च करके जैसा स्वांग खेला था, उसे काशी वाले बहुत दिनों तक नहीं भूल सके।"

6. "तुम्हें दोस्तों का ख्याल है, उनके बुरा मानने की चिंता है, बस मेरी ही नहीं। पर एक कुछ कह नहीं पाती, एकटक उसके चेहरे की ओर देखती रहती हूँ उसके साँवले चेहरे पर पसीने की बूँदें चमक रही हैं। कोई और समय होता तो मैंने अपने आँचल से इन्हें पोंछ दिया होता, पर आज नहीं। वह मंद-मंद मुस्करा रहा है, उसकी आँखें क्षमा याचना कर रही हैं, पर मैं क्या करूँ ?"

7. "सब का स्वांग बनाते हो, तुम किस से कम हो जो काले रंग पर भी कोई पतलून पहिन कर निरे गड्डानी ही बने जाते हो ? ऊपरी बातों की नकल और अपनी बोली में कैट पैर मिलाने के सिवा अंग्रेजों का सा स्वजाति हितैषी काम तो कोई भी न देखा। खरी कहाते हो, तुम्हारे चचा साहब दयानंदी हैं, उन्हें भी मुहीं से धर्म-धर्म, वेद-वेद, उन्नति-उन्नति चिल्लाते पाया, करतूत कुछ भी न देख पड़ी।"

8. सोचते-सोचते लगा कि इस देश की ही नहीं, पूरे विश्व की एक कौसल्या है; जो हर बारिश में बिसूर रही है—'मोरे राम के भीजै मुकुटवा' (मेरे राम का मुकुट भीग रहा होगा)। मेरी सन्तान ऐश्वर्य की अधिकारिणी सन्तान वन में घूम रही है, उसका मुकुट उसका ऐश्वर्य भोग रहा है, मेरे राम कब घर लौटेगें; मेरे राम के सेवक का दुपट्टा भीग रहा है, पहरूए का कमरबन्द भीग रहा है, उसका जागरण भीग रहा है, मेरे राम की सहचारिणी सीता का सिन्दूर भीग रहा है, उसका अखण्ड सौभाग्य भीग रहा है, मैं कैसे धीरज धरूँ।"

खण्ड–स

नोट :– निम्नलिखित चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सीमा **500** शब्द।

9. 'शेखर एक जीवनी' के आधार पर शेखर के विद्रोह के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

10. 'पंच लाइट' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

11. रामा के चरित्र की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

12. 'वन्दे वाणी विनायकौ' निबन्ध का केन्द्रीय भाव क्या है ?